>

Title: Need to release adequate quantity of water into river Ganges for use by riparian States.

श्री जगदानंद सिंह (बक्सर): सभापति महोदय, मैं एक संकट की तरफ बढ़ते हुए बिहार की स्थिति की चर्चा करना चाहता हूं। गंगा नदी उत्तराखंड से निकल कर बंगाल की खाड़ी की यात्रा में उत्तर प्रदेश और बिहार से गुजरती है। इस गंगा नदी की बाढ़-कटाव की भयानक त्रासदी बिहार को झेलनी पड़ती है। लेकिन बिहार जब इस गंगा नदी के पानी को प्रयोग करना चाहता है तो इस पर रोक लगाई जाती है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से कहना चाहता हूं कि यह एक अन्तरराज्यीय और अन्तरराष्ट्रीय नदी है, ऊपर के तटवर्ती राज्यों को पानी का अंधाधुंध प्रयोग करने की अनुमति दे दी गई। अकेले चालीस हजार क्यूसेक पानी देहरादून, बिजनौर और नरौरा बैराज से ऊपर के राज्य अपनी खेती के लिए लेते हैं। बाढ़ का पानी बक्सर से ले कर बिहार के अंतिम सीमा तक जो दियारा का इलाका है, जो अगल-बगल का इलाका है, भयानक कटाव घर और खेती बाड़ी को नुकसान पहुंचाता है। लेकिन हम अपने थर्मल के लिए या अन्य उपयोग के लिए गंगा का पानी लेना चाहते हैं जिसमें हमारी हिस्सेदारी है क्योंकि हम तटवर्तीय राज्य हैं, हमारा अधिकार बनता है कि हम इस पानी का प्रयोग करें। फरक्का का समझौता हुआ। चालीस हजार क्यूसेक से अधिक पानी फरक्का पर देने की बात थी और यह बात तय थी कि ऊपर के जितने राज्य हैं सभी कंट्रीब्यूट करेंगे, जितनी नदियां हैं अपने संगम पर लाकर इतना पानी देंगे कि फरक्का को कभी चालीस हजार क्युसेक से कम पानी न पड़े। लेकिन 40 हजार क्यूसिक पानी के उपयोग के लिए बक्सर से बिहार की अंतिम सीमा तक रोक लगाकर उसे फरक्का पर ले जाने की बात हो रही है। जब भारत सरकार का बंगलादेश से समझौता हो रहा था, हम सबने इस बात को उठाया था कि सारे तटवर्ती राज्यों और गंगा बेसिन की जितनी नदियां हैं, पानी में सबकी हिस्सेदारी होनी चाहिए। भारत सरकार ने बिहार से वायदा किया था कि गंगा के पानी के प्रयोग पर बिहार पर कभी रोक नहीं लगाई जाएगी। लेकिन आज बिहार के सामने संकट खड़ा है। हम खेती, सिंचाई, पन बिजली, बिजली के लिए किसी तरह पानी का प्रयोग नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि उसके लिए हमें अनुमति नहीं मिल रही ही।

मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि गंगा के सभी तटवर्ती राज्यों, गंगा बेसिन के सारे राज्यों को गंगा की अविरल धारा का पानी देने की बात की जाए जो पहले से सुनिश्चित हो।...(व्यवधान) बिहार को अपने हिस्से के पानी के प्रयोग की अनुमति मिले। आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए धन्यवाद।